पाठ 11

ईदगाह

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद आज ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है! वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है। खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है! मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है। गाँव में कितनी हलचल है! ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं।

लड़के सबसे ज़्यादा प्रसन्न हैं। बार–बार जेब से खज़ाना निकालकर गिनते हैं। महमूद गिनता है, एक–दो, दस–बारह। उसके पास बारह पैसे हैं। मोहसिन के पास पंद्रह पैसे हैं। इन्हीं अनगिनत पैसों से अनगिनत चीज़ें लाएँगे – खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल, गेंद और न जाने क्या–क्या और सबसे ज़्यादा प्रसन्न है हामिद। वह भोली सूरत का चार–पाँच साल का दुबला–पतला लड़का। उसका पिता गत वर्ष हैज़े की भेंट हो गया था और माँ न जाने क्यों पीली होती–होती एक दिन मर गई। किसी को पता न चला कि क्या बीमारी थी?

अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोदी में सोता है और उतना ही प्रसन्न रहता है। उसके अब्बाजान रुपये कमाने गए हैं। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के

घर से उसके लिए बहुत–सी अच्छी चीज़ें लाने गई हैं, इसलिए हामिद प्रसन्न है। आशा तो बड़ी चीज़ है। हामिद के पाँव में जूते नहीं हैं, सिर पर एक पुरानी टोपी है, जिसका गोटा काला पड़ गया है, फिर भी वह प्रसन्न है।

अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन है और उसके घर में दाना तक नहीं है, लेकिन हामिद! उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा। हामिद भीतर दादी से कहता है, "तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आऊँगा। बिलकुल न डरना!"

अमीना का दिल कचोट रहा है। गाँव के बच्चे अपने–अपने पिता के साथ जा रहे हैं। हामिद का अमीना के सिवा कौन है ? भीड़ में बच्चा कहीं खो गया तो क्या होगा? तीन कोस चलेगा कैसे ? पैरों में छाले पड़ जाएँगे। जूते भी तो नहीं हैं। वह थोड़ी दूर चलकर, उसे गोदी ले लेती, लेकिन यहाँ सेवइयाँ कौन पकाएगा? पैसे होते तो लौटते–लौटते सारी सामग्री जमा करके झटपट बना लेती। यहाँ तो चीज़ें जमा करते–करते घंटों लगेंगे।

गाँव से रेला चला। हामिद भी और बच्चों के साथ जा रहा था। शहर का दामन आ गया। सड़क के दोनों ओर अमीरों के बगीचे हैं। बड़ी–बड़ी इमारतें – अदालत, कॉलेज, क्लब–घर आदि दिखाई देने लगे। हलवाइयों की दुकानें मिठाइयों से सजी हुई थीं। अब बस्ती घनी होने लगी। ईदगाह जानेवालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं। एक–से–एक भड़कीले वस्त्र पहने हुए। सहसा ईदगाह नज़र आया। लाखों सिर एक साथ सजदे में झुक जाते हैं, फिर सबके सब एक साथ खड़े हो जाते हैं। नमाज़ खत्म हो गई। लोग आपस में गले मिल रहे हैं।

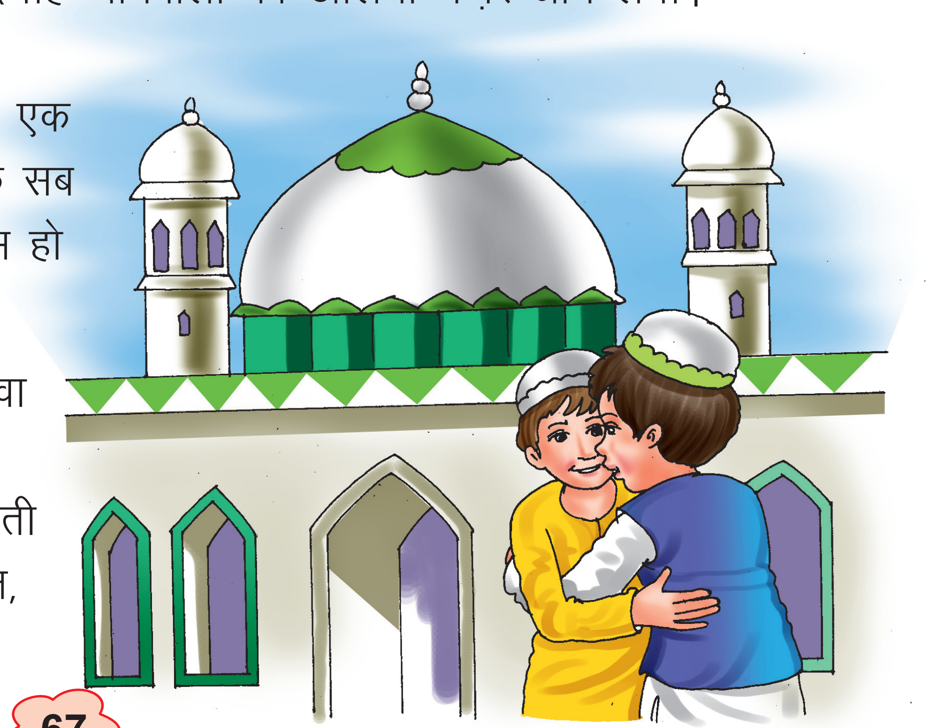

अब खिलौनों की दुकानों पर धावा होता है। हामिद दूर खड़ा है। उसके पास केवल तीन पैसे हैं। मोहसिन भिश्ती खरीदता है, महमूद सिपाही, नूरे वकील, और सम्मी धोबन।

हामिद खिलौनों को ललचाई आँखों से देखता है। वह अपने आपको समझाता है, 'मिट्टी के तो हैं, गिरें तो चकनाचूर हो जाएँ'। फिर मिठाइयों की दुकानें आती हैं। किसी ने रेवड़ियाँ लीं, किसी ने गुलाबजामुन, किसी ने सोन हलवा। मोहसिन कहता है, ''हामिद, ले, रेवड़ी ले ले, कितनी खुशबूदार है।''

हामिद ने कहा, ''रखे रहो, क्या मेरे पास पैसे नहीं हैं ?''

सम्मी बोला, ''तीन ही पैसे तो हैं, तीन पैसे में क्या–क्या लोगे ?''

मिठाइयों के बाद कुछ दुकानें लोहे की चीज़ों की आती हैं। कई चिमटे रखे हुए थे। हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाता है,अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी! फिर उनकी उँगलियाँ कभी न जलेंगी। दादी अम्मा चिमटा देखते ही दौड़कर मेरे हाथ से ले लेंगी और कहेंगी– मेरा बच्चा। अम्मा के लिए चिमटा लाया है। हज़ारों दुआएँ देंगी, फिर पड़ोस की औरतों को दिखाएँगी। सारे गाँव में चर्चा होने लगेगी। हामिद चिमटा लाया है। कितना अच्छा लड़का है। बड़ों की दुआएँ सीधे अल्लाह के दरबार में पहुँचती हैं और तुरंत सुनी जाती हैं।

हामिद ने दुकानदार से पूछा, ''यह चिमटा कितने का है?'' छह पैसे कीमत सुनकर हामिद का दिल बैठ गया। हामिद ने कलेजा मज़बूत करके कहा, ''तीन पैसे लोगे?'' दुकानदार ने मना कर दिया। जब हामिद दुकान से आगे निकल गया, तब दुकानदार ने उसे वापस बुलाकर चिमटा दे दिया। हामिद ने उसे इस तरह कंधे पर रखा मानो बंदूक हो और शान से अकड़ता हुआ संगियों के पास आया।

दोस्तों ने मज़ाक किया, ''यह चिमटा क्यों लाया पगले! इससे क्या करेगा?''

घर आने पर अमीना हामिद की आवाज़ सुनते ही दौड़ी और उसे गोद में उठाकर प्यार करने लगी। सहसा उसके हाथ में चिमटा देखकर वह चौंकी।

''यह चिमटा कहाँ था ?''

''मैंने मोल लिया है।''

''के पैसे में ?''

''तीन पैसे दिए।''

अमीना ने छाती पीट ली। यह कैसा बेसमझ लड़का है कि दोपहर होने तक कुछ खाया न पिया। लाया क्या, चिमटा!

''सारे मेले में तुझे और कोई चीज़ न मिली, जो यह लोहे का चिमटा उठा लाया ?''

हामिद ने अपराधी भाव से कहा, ''तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने इसे लिया।''

बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। यह मूक स्नेह था, रस और स्वाद से भरा। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है! दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! वहाँ भी अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया। दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थी और आँसू की बड़ी–बड़ी बूँदें गिराती जाती थी। हामिद इसका रहस्य क्या समझता!

अभ्यास

1. आइए, शब्दों का अर्थ जानें :

- अभागिन – जीवन में जिसे दुख ही मिला हो
- गत – बीता हुआ
- चकनाचूर – नष्ट होना
- प्रभात – सवेरा
- बेसमझ – मूर्ख
- भेंट – मुलाकात
- भोली सूरत – सीधी सादी शक्ल
- मनोहर – सुंदर
- मूक – गूँगा / बिना आवाज के
- रेला – झुंड में चलते हुए लोग

2. पाठ से :

(क) ईद के अवसर पर चारों तरफ का वातावरण कैसा होता है?

____

____

(ख) अमीना का दिल क्यों कचोट रहा था?

____

____

(ग) अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। अमीना को अभागिन क्यों कहा गया है?

____

____

(घ) दोस्तों के खिलौने देखकर हामिद ने अपने–आपको किस प्रकार समझाया?

____

____

(ङ) बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। अमीना को हामिद पर पहले गुस्सा और फिर स्नेह आने का क्या कारण था?

____

____

(च) हामिद ने मेले से चिमटा ही क्यों खरीदा?

____

____

(छ) कहानी को ध्यान से पढ़ें और क्रम से बताएँ कि कौन सी घटना पहले घटी और कौन सी बाद में?

- ❒ अमीना का दिल कचोट रहा है। ______________
- ❒ अब खिलौनों की दुकान पर धावा होता है। ______________
- ❒ गाँव में हलचल है। ______________
- ❒ बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। ______________
- ❒ छह पैसे की कीमत सुनकर हामिद का दिल बैठ गया। ______________
- ❒ ईदगाह जाने वालों की टोलियाँ नजर आने लगीं। ______________
- ❒ उसके अब्बाजान रुपये कमाने गए हैं। ______________

3- vkidh ckr &

(क) 'अमीना ने छाती पीट ली। यह कैसा बेसमझ लड़का है।' अमीना ने हामिद को बेसमझ कहा था। आप हामिद को बेसमझ मानते हैं या समझदार, अपने साथियों से चर्चा करें।

(ख) हामिद की जगह आप होते तो मेले से अपनी दादी के लिए क्या खरीदते?

(ग) आप और आपके साथी कभी न कभी किसी मेले में गए होंगे, वहाँ से आप क्या–क्या खरीदकर लाए थे और क्यों?

(घ) यदि आप के पास 100 रुपये हो आप उन्हें कैसे खर्च करेंगे?

(ङ) 'तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आऊँगा।' हामिद की दादी डर रही थी। आपको किन–किन से डर लगता है और क्यों? आपस में चर्चा करें।

साँप से	छिपकली से	बिच्छू से	कुत्ते से
शेर से	बिल्ली से	अपने दोस्त से	विद्यालय से
अपने पिताजी से	अपनी माता जी से	अंधेरे से	अध्यापक से

4- ikB ls vkxs &

(क) हामिद! उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा।' (हामिद गरीब है) उसे किस बात की आशा है?

(ख) 'अब बस्ती घनी होने लगी।' क्या कारण है कि शहर में लोगों के मकान बिलकुल सटे हुए व बहुमंजिला होते हैं।

(ग) मोहसिन कहता है, 'हामिद ले, रेवड़ी ले, कितनी खुशबूदार है।' हामिद ने अपने साथियों के कहने पर भी मिठाइयाँ नहीं लीं। उसने मिठाइयाँ न लेने के लिए क्या तर्क दिया होगा?

(घ) मिठाइयों के बाद कुछ दुकानें लोहे की चीजों की आती हैं। मान लीजिए, लोहे की चीजों की दुकान न आती तो हामिद क्या खरीद कर लाता? मेले में वर्णित चीजों को सोचकर बताएँ।

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) एक से अनेक

हामिद ने कोई खिलौना नहीं खरीदा।

उपर्युक्त वाक्य में f[kykSuk एकवचन है–जिसका बहुवचन है–f[kykSus।

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनके वचन बदलें–

दुकान –––––––––––––– कोठरी ––––––––––––––

चिमटा –––––––––––––– टोली ––––––––––––––

गेंद ______________ रेवड़ी ______________

बूँद ______________ मिठाई ______________

(ख) र और ऋ

कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है! वृक्ष पर कुछ अजीब हरियाली है। उपर्युक्त वाक्यों में 'प्रभात' और 'वृक्ष' शब्द आए हैं। 'प्रभात' शब्द में 'प्' के नीचे 'र' का चिह्न (्र) है और 'वृक्ष' शब्द में 'व्' के नीचे ऋ की मात्रा (ृ) है। ऐसे ही कुछ शब्द आप भी लिखिए।

j ¼ ½ oky ‘kCn	_ ¼ ½ oky ‘kCn
जैसे– क्रम	जैसे– पृथ्वी
______________________	______________________
______________________	______________________
______________________	______________________
______________________	______________________

(ग) सूर्य आकाश में चमकता है।

सूरज की रोशनी तेज होती है।

उपर्युक्त वाक्यों में आए शब्द 'सूर्य' और 'सूरज' का एक ही अर्थ है। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनके भी समान अर्थ देने वाले शब्द लिखें –

वृक्ष – ______________ ______________

आकाश – ______________ ______________

दिन – ______________ ______________

प्रकाश – ______________ ______________

नदी – ______________ ______________

vkiu fdruk lh[kk

1- ‘kCnk d lgh vFk ckDl e fy[k&

- कमरिया – कमर पीठ कंबल ______________
- जननी – जनता माता जागना ______________
- बेनी – वन बाग चोटी ______________
- भुई – जमीन नागिन भोजन ______________

2- j[kkfdr ink d LFkku ij loluke dk i;kx djr g, fy[k&

कल्पना का जन्म करनाल में हुआ। कल्पना बहुत जिज्ञासु थी। कल्पना ने पढ़ाई करनाल के विद्यालय से की। कल्पना को किताबें पढ़ने का शौक था।

____

____

____

3- fuEufyf[kr ‘kCnk l okD; cukdj fy[k&

- धीरे–धीरे ______________________________________
- ऊपर–नीचे ______________________________________
- यहाँ–वहाँ ______________________________________

4- fdlu] fdldk dgk&

- बेटी मनु! हमारे पास हाथी कहाँ है?

____

- आज तुम दामोदर राव की रक्षा करना।

____

5- *#* *:* l nk&nk ‘kCn cuk,&

रु ________________ ________________

रू ________________ ________________

6- fuEufyf[kr ‘kCnk dk i;kx djr g, ,d&,d okD; cuk,&

- पिता–पीता ____

____

- मिल–मील ____

____

7- leku vFk oky nk&nk ‘kCn fy[k&

- प्रकाश ________________ ________________
- नदी ________________ ________________

8- fuEufyf[kr i’uk d mÙkj fy[k&

- कल्पना प्राय: किस तरह के प्रश्न करती थी?

____

- मनु ने किस बात की जिद की?

____

- अमीना का दिल क्यों कचोट रहा था?

____

- हामिद ने मेले से क्या खरीदा और क्यों?

____